हमारे अगुवों की ओर से संदेश

त्रासदी के बाद अर्जेंटीना में मेलमिलाप की गवाही

फोटो: मिर्ता सोटो वारलोटा और उनके पति जार्ज वारलोटा, इग्लेसिया इव्हेंजलिका मेनोनिटा डे मोरेनो, ब्यूनस आर्यस, अर्जेंटीना में पासवानी सेवकाई करते हैं, अपने पुत्र की मृत्यु के बाद उन्होंने दोषियों को क्षमा करते हुए सारे देश का ध्यान खींचा। फोटो: जे. नेलसन क्रेबिल

विज्ञप्ति जारी करने की तारीख: बुधवार, 7 फरवरी 2018

जब अर्जेंटीना के मेनोनाइट लोगों ने अपने देश में ऐनाबैपटिस्ट गवाही के 100 वर्ष पूरा होने के अवसर पर एक मिशन कॉंफ्रेंस आयोजित करने की योजना बनाई तो उन्हें एक अनापेक्षित भेंट प्राप्त हुई: ग्रेटर ब्यूनस आर्यस के एक उपनगर मालविनास अर्जेंटीनास में पालासियो म्युनिसिपल (म्युनिसिपल बिल्डिंग) का मुफ्त में उपयोग।

इस उदारता का कारण एक त्रासदी है जिसकी ओर सारे देश का ध्यान आकर्षित हुआ था जब एक वर्ष पूर्व एक 24 वर्षीय पुरुस्कार प्राप्त डेविड वारलोटा नामक वैज्ञानिक की उनके कार के अपहरण के दौरान हत्या कर दी गई ।

इस युवा मेनोनाइट वैज्ञानिक की मृत्यु का एक राष्ट्रीय खबर बनने का कारण सिर्फ उसका एक विलक्षण वैज्ञानिक होना मात्र नहीं, बल्कि, उसके माता पिता द्वारा इस हत्या पर दी गई मेलमिलाप की प्रतिक्रिया थी। उनकी क्षमा और उनके प्रेम ने मालवीनास अर्जेंटीनास के मेयर को प्रेरित किया कि 17 सितम्बर 2017 को मेनानाइट शताब्दी उत्सव के लिए एक सरकारी भवन के द्वार खोल दें।

डेविड वारलोटा ने सबसे पहली बार अन्तर्राष्ट्रीय जगत का ध्यान तब खींचा था जब उन्होंने अर्जेंटीना के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रयोग किए जाने के लिए कम लागत वाला पानी साफ करने का एक उपकरण तैयार किया। अमरीकी अंतरिक्ष कार्यक्रम, नासा ने वारलोटा के सम्मान में एक उपग्रह को उनका नाम दिया है।

अर्जेंटीना मेनोनाइट चर्च के एक राष्ट्रीय युवा अगुवा वारलोटा धर्मविज्ञान का भी अध्ययन कर रहे थे।

यद्यपि जब वारलोटा के माता पिता के घर के सामने कुछ युवकों ने उनकी कार छीनने का प्रयास किया तो वारलोटा ने कोई प्रतिरोध नहीं किया, परन्तु फिर भी एक 17 वर्षीय आक्रमणकारी ने उन्हें गोली मार दी। वारलोटा की माँ मिर्ता सोटो वारलोटा ने जो अपने पति जार्ज वारलोटा के साथ मिलकर मेनोनाइट कलीसिया में सेवकाई देती हैं, इस अपराध को अपनी आँखों से देखा। जब आरोपियों पर कुछ महिनों बाद मुकद्मा चलाया गया, तो माता पिता गवाह के रूप में उपस्थित हुए।

ऐसे मामलों में पीड़ितों द्वारा न्यायालय या प्रेस के सामने बदला और बैर की भावना से अपनी बातें रखी जाती हैं, परन्तु वारलोटा के माता पिता ने दोषियों को क्षमा कर दिया। उन्होंने अपने भारी शोक को व्यक्त कर दिया, परन्तु दोषियों के कल्याण के प्रति अपनी चिन्ता को भी जताया। उनके द्वारा प्रगट किया गया यह प्रेम सब ने देखा, और पूरे राष्ट्र के सामने यह एक गवाही बन गया।

अर्जेंटीना के 370000 इव्हेंजलिकल मसीहियों के तुलना में मेनोनाइट लोगों की संख्या सिर्फ 5000 के लगभग ही हैं। इव्हेंजलिकल स्वयं इस

दोपहर के अवकाश के समय युवा मालविनास अर्जेंटीनास के पालासियो म्युनिसिपल के सामने घूमने गए, इसी भवन में मेनोनाइट चचृ ने 17 सितम्बर 2017 को एक मिश्न कॉंफ्रेंस का आयोजन किया।

कैथोलिक देश में अल्पसंख्यक हैं। यद्यपि यहाँ की मेनोनाइट कलीसियाएं छोटी हैं परन्तु पूरे देश में ये कलीसियाएं निर्धनता और नशाखोरी जैसे सामाजिक मुद्दों को लेकर सरगर्मी के साथ सेवाकार्य करती हैं।

जब मालविनास अर्जेंटीना में सैकड़ों मेनोनाइट इकट्ठे हुए, तो उन्होंने वहाँ के अनेक शहरों, नगरों, और मूलनिवासियों के बीच में सुसमाचार प्रचार की अपनी सेवकाई से सम्बन्धित गवाहियों को एक दूसरे के साथ बाँटा।

मिशन काँफ्रेंस से पहले, मेनोनाइट लोगों ने सेन्ट्रल ब्यूनस आर्यस में प्यूरेटो माडेरा के बगल में स्थित एक पार्क में आयोजित एक सामारोह में भाग लिया। इसी स्थान पर उत्तर अमरीका से प्रथम मेनोनाइट मिश्नरी जे. डब्ल्यू. और एर्मा शेंक तथा टी.के. और माये हर्शे 1917 में एक जहाज से उतरे थे।

त्रासदियों के मध्य चंगाई देने का परमेश्वर का कार्य जारी है। डेविड वारलोटा की माँ मिर्ता अब एक चैपलिन का प्रशिक्षण ग्रहण कर रहीं हैं ताकि युवा अपराधियों और दोषियों के बीच जेल में जा कर सेवकाई कर सके।

– अध्यक्ष नेलसन जे. क्रेबिल द्वारा जारी एक मेनोनाइट वर्ल्ड काँफ्रेंस विज्ञप्ति